रजिस्ट्री सं० डीएल०-33004/97 REGD. NO. D.L.-33004/97

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-Section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 39] नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 6, 1998/माघ 17, 1919
No. 39] NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 6, 1998/MAGHA 17, 1919

महा निदेशक, रक्षोपाय जांच

रक्षोपाय जांच शुरू करने के लिए सूचना

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 1998

[सीमा शुल्क टैरिफ (रक्षोपाय शुल्क की पहचान और निर्धारण नियमावली 1997) के नियम 6 के अधीन]

विषय : कार्बन ब्लैक के भारत में आयात से सम्बन्धित रक्षोपाय जांच शुरू करने संबंधी।

सा. का. नि. 70(अ).—भारत में कार्बन ब्लैक के वर्जित आयात से कार्बन ब्लैक के घरेलू उत्पादकों को होने वाली गम्भीर क्षति से बचाने के लिए एसोशियेशन आफ कार्बन ब्लैक मैन्युफैक्चरर्स ने मै० काबोट इंडिया लिमिटेड, मुम्बई, मै० हाइटेक कार्बन्स रेनुकोट, मै० ओरियन्टल कार्बन और केमिकल्स लिमिटेड गाजियाबाद और मै० फिलिप्स कार्बन ब्लैक लिमिटेड कलकत्ता की ओर से कार्बन ब्लैक के आयात पर रक्षोपाय शुल्क लगाने के लिए सीमाशुल्क टैरिफ (रक्षोपाय शुल्क की पहचान और निर्धारण) नियमावली 1997 के नियम 5 के अधीन मेरे समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया है।

2. **घरेलू उद्योग :** कार्बन ब्लैक के उपरोक्त चार घरेलू उत्पादकों की ओर से एसोशियेशन आफ कार्बन ब्लैक मैन्युफैक्चरर्स द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है। कार्बन ब्लैक के कुल छः घरेलू उत्पादक हैं जो कि 2,45,897 मी.टन (वर्ष 1996-97) का कुल घरेलू उत्पादन करते हैं। उपर्युक्त नाम के आवेदकों ने 233,762 मी.टन (वर्ष 1996-97) कार्बन ब्लैक का उत्पादन किया जो कि घरेलू उत्पादन का मुख्य अंश है।

3. **संबद्ध उत्पाद :** आवेदकों ने रबड़ उद्योग के लिए कार्बन ब्लैक के भारत में वर्जित आयात से घरेलू उत्पादकों को गम्भीर क्षति होने का आरोप लगाया है। सीमा शुल्क अधिनियम 1975 की प्रथम अनुसूची के उपशीर्ष 2803.00 और भारतीय व्यापार वर्गीकरण (आई.टी.सी.) के 28030002 अधीन रबड़ उद्योग के लिए कार्बन ब्लैक को वर्गीकृत किया गया है जो कि कार्बन की एक किस्म है। कार्बन ब्लैक, जो कि मुख्यतः रबड़ उद्योग और टायर उद्योग के प्रयोग में आती है, जांच के अधीन है।

4. **वर्जित आयात :** भारत में कार्बन ब्लैक का आयात आस्ट्रेलिया, बेल्जियम, कनाडा, चाईनीज ताइपे, चाइना आर.पी., इजिप्ट आर.पी., फ्रांस, जर्मन आर. पी., इन्डोनेशिया, ईरान आर.पी., जापान, कोरिया आर.पी., नीदरलैण्डस, सिंगापुर, थाईलैंड, यू.ए.ई., यू.के. और यू.एस.ए. से होता है। आयात वास्तविक रूप से तथा घरेलू उत्पादन की तुलना में वृद्धि की प्रवृत्ति दर्शाते हैं। वर्ष 1994-95 से 1997-98 (अप्रैल-सितम्बर) के दौरान रबड़ इंडस्ट्री के लिए कार्बन ब्लैक के आयात और उसके उत्पादन को निम्नलिखित प्रकार से दर्शाया गया है :-

वर्ष	कार्बन ब्लैक का आयात	कार्बन ब्लैक का कुल घरेलू उत्पादन (मी.टन),	घरेलू उत्पादन का प्रतिशत आयात के रूप में
1994-95	28927	180093	16.06
1995-96	16788	225644	7.44
1996-97	17773	245897	7.22
1997-98 (अप्रैल से सितम्बर)	28917	102629	28.18

आवेदकों ने प्रस्तुत किया है कि 93-94 एवं 94-95 में कार्बन ब्लैक के आयात में अत्याधिक वृद्धि हुई क्योंकि तत्कालीन आयात नीति में वैल्यू बेस एडवान्स इम्पोर्ट लाईसेंस (वी ए बी ए एल) के अन्तर्गत कार्बन ब्लैक के शुल्क मुक्त आयात को अनुमति दी गई थी और टायर इंडस्ट्री ने वी ए बी ए एल के अन्तर्गत कार्बन ब्लैक के आयात पर ध्यान केन्द्रित किया। अगस्त 93 में वी ए बी ए एल लाइसेंस के अन्तर्गत कार्बन ब्लैक का शुल्क मुक्त आयात मात्रा और मूल्य दोनों सीमाओं के अनुरूप कर दिया गया तथापि पूर्व में जारी ढेर सारे लाइसेंसों ने आयात पर 94-95 तक अपना प्रभाव जमाए रखा। 1995-96 और 1996-97 में कार्बन ब्लैक का आयात लगभग 17000 मी.टन हो गया था। तथापि अक्तूबर-दिसम्बर, 1997 की तिमाही से कार्बन ब्लैक के आयात में कम कीमत पर सारभूत वृद्धि शुरू हुई जैसाकि नीचे सारणी में दर्शाया गया है :—

तिमाही	आयात (मी.टन)	आयात रु०/मी.टन
अक्तूबर-दिसम्बर, 1996	3662	20204
जनवरी-मार्च, 1997	10199	19640
अप्रैल-जून, 1997	13071	19096
जून-दिसम्बर, 1997	15487	18282

5. **क्षतिः** कार्बन ब्लैक के वर्जित आयात से कार्बन ब्लैक के घरेलू उत्पादकों को गम्भीर क्षति होने की सम्भावना है जैसाकि निम्नलिखित तथ्यों द्वारा दर्शाया गया है :-

(क) **उत्पादन :** कार्बन ब्लैक का उत्पादन जो कि वर्ष 1996-97 में 2,45,897 मी.टन के उच्च शिखर पर पहुँच गया था, वर्ष 97-98 में प्रथम छः माह में 1,02,629 मी.टन के स्तर गिर गया जिसके परिणामस्वरूप यथानुपात आधार पर उत्पादन में 16.5% की गिरावट आई।

(ख) **क्षमता उपयोगिता :** उत्पादन के साथ-साथ क्षमता उपयोगिता भी 96-97 में 80.35% के उच्च शिखर पर पहुँच गयी थी जो कि वर्ष 97-98 के प्रथम छः मास के दौरान 66.64% तक गिर गयी, परिणामस्वरूप क्षमता उपयोगिता की मद में 13.71 प्रतिशत अंकों की हानि हुई।

(ग) **बिक्री :** चार आवेदक कम्पनियों की घरेलू बिक्री में कमी हुई। यह गिरावट तुलनात्मक रूप से वर्ष 1996-97 के 187250 मी.टन से गिर कर 1997-98 के प्रथम छः मास में 80212 मी.टन रह गई, जो कि वर्ष 1996-97 की बिक्री का 42.84% है। अर्थात् (यथा अनुपात आधार पर) 7.16% पाइन्टस की कमी हुई। चार आवेदक कम्पनियाँ घरेलू बाजार में यह घटा शेयर केवल कम औसत सीमा मूल्य, जो कि 28404 रु० मी.टन से इस तदनुरूप अवधि में 26370 रु० मी.टन तक गिर जाने के कारण ही बनाए रख सकी।

(घ) **लाभ में कमी :** चार आवेदक कम्पनियों ने 1997-98 में (अप्रैल-सितम्बर) 24460 रु० मी.टन की उत्पादन की लागत पर कार्बन ब्लैक का उत्पादन करके 26370 रु० मी.टन की औसत बिक्री पर बेचा जबकि वर्ष 1996-97 में 22485 रु० मी.टन की उत्पादन की लागत पर कार्बन ब्लैक का उत्पादन करके 28404 रु० मी.टन की बिक्री की थी। इस प्रकार 96-97 की तुलना में चारों आवेदक कम्पनियों के लाभ में कमी हुई है।

(ङ) **आवश्यकता से अधिक क्षमता :** चार आवेदक कम्पनियों ने एशिया पैसिफिक क्षेत्र में मांग की तुलना में कार्बन ब्लैक की आवश्यकता से अधिक क्षमता के उपलब्ध होने का आरोप लगाया है। 1994-95 से 1997-98 (अप्रैल-सितम्बर) के लिए घरेलू उत्पादकों की क्षमता, क्षमता उपयोगिता उत्पादन, बिक्री, और औसत बिक्री मूल्य को नीचे दर्शाया गया है :—

वर्ष	स्थापित क्षमता	क्षमता उपयोगिता	उत्पादन	आवेदकों की बिक्री	आवेदकों की औसत बिक्री मूल्य
1994-95	280834	64.12	180093	165254	19945
1995-96	280834	80.34%	225644	170847	25957
1996-97	306000	80.35%	245897	187250	28404
1997-98 (अप्रैल-सितम्बर)	154000	66.64	102629	80212	26370

6. घरेलू उत्पादकों ने रबड़ उद्योग के लिए कार्बन ब्लैक के आयात पर चार वर्ष की अवधि के लिए रक्षोपाय शुल्क लगाने के लिए प्रार्थना की है। उन्होंने तत्काल से अनन्तिम रक्षोपाय शुल्क लगाने के लिए भी प्रार्थना की है।

7. आवेदन का परीक्षण किया गया है और यह पाया गया है कि कार्बन ब्लैक के आयात से कार्बन ब्लैक के घरेलू उत्पादकों को गम्भीर क्षति होने की संभावना है तदनुसार इस नोटिस के माध्यम से जांच शुरू करने का निर्णय लिया गया है।

8. सभी इच्छुक पक्ष दिनांक 23 मार्च 1998 तक अपने दृष्टिकोण से अधोहस्ताक्षरी को अवगत करा दें :-

महानिदेशक (रक्षोपाय)
पंचम तल, डी ब्लॉक,
इन्द्रप्रस्थ भवन, आई.पी. इस्टेट,
नई दिल्ली-110 002
भारत.

9. सभी इच्छुक ज्ञात पक्षों को अलग से सूचित किया जा रहा है।

10. जांच के लिए कोई अन्य पक्ष जो कि इच्छुक पक्ष के रूप में समझे जाने के इच्छुक हो अपना आवेदन इस नोटिस की तिथि के 21 दिन के अन्दर महानिदेशक (रक्षोपाय) के पास भेज दें।

[सं. रक्षोपाय/जांच/3/97]

आर. के. गुप्ता, महानिदेशक (रक्षोपाय)

DIRECTOR GENERAL (SAFEGUARDS)

NOTICE OF INITIATION OF A SAFEGUARD INVESTIGATION

New Delhi, the 5th February, 1998

[Under Rule 6 of the Customs Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997]

Subject:—Initiation of Safeguard investigation concerning imports of 'Carbon Black" into India.

G.S.R. 70(E).—An application has been filed before me under rule 5 of the Customs Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997 by the "Association of Carbon Black Manufacturers" on behalf of M/s Cabot India Ltd., Mumbai,. M/s Hitech Carbons, Renukot, M/s Oriental Carbon and Chemicals Ltd., Ghaziabad, and M/s Phillips Carbon Black Ltd, Calcutta for imposition of Safeguard Duty on imports of Carbon Black into India to protect the domestic producers of Carbon Black against serious injury caused by the increased imports of Carbon Black into India.

2. **Domestic Industry:** The application has been filed by the 'Association of Carbon Black Manufacturers' on behalf of the above mentioned four domestic producers of Carbon Black. There are six domestic producers of Carbon Black accounting for a total domestic production of 245,897 MT (1996-97). The applicants named above account for 233,762 MT (1996-97) which constitutes a major proportion of the domestic production.

3. **Product Involved:** The applicants have alleged serious injury caused to the domestic producers by the increased imports of 'Carbon Black for rubber industry' into India. 'Carbon Black for rubber industry' classified under sub-heading no. 2803.00 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975, and under 28030002 of the Indian Trade Classification (ITC) is a form of Carbon Black used mainly by rubber industry including the tyre industry is the product under investigation.

4. **Increased Imports:** Carbon Black is imported into India from Australia, Belgium, Canada, Chinese Taipei, China P RP, Egypt RP, France, German F R, Indonesia, Iran Rep., Japan, Korea RP, Netherlands, Singapore. Thailand UAE, UK, and USA. The imports have shown an increasing trend in absolute terms as well as compared to domestic production The imports and domestic production of Carbon Black for rubber industry during 1994-95 to 1997-98 (April-September) have been as under:

Year	Import of Carbon Black (MT)	Total domestic production of Carbon Black (MT)	Import as percentage of domestic production
1994-95	28927	180093	16.06
1995-96	16788	225644	7.44
1996-97	17773	245897	7.22
1997-98 (April-Sept.)	28917	102629	28.18

The applicants have stated that in 1993-94 and 1994-95 there was a huge increase in imports because the then import policy permitted duty free import of Carbon Black against Value Based Advance Import Licences (VABAL) and the tyre industry concentrated on import of Carbon Black against VABAL licences. In August 1993, the duty free imports of Carbon Black against VABAL licenses were subjected to both quantity and value limits. The backlog of licences already issued had, however, its impact on imports upto 1994-95. The imports settled down to around 17,000 MT in 1995-96 and 1996-97. From the quarter October-December, 1996, however the imports have started increasing substantially at reduced prices as is indicated in the table below :

Quarter	Import (MT)	Import Rs/MT
October-December, 1996	3662	20204
January-March, 1997	10199	19640
April-June, 1997	13071	19096
July-September, 1997	15487	18282

5. **Injury:** The increased imports of Carbon Black have threatened to cause serious injury to the domestic producers of Carbon Black as indicated by the following factors:

(a) Production: The production of Carbon Black which reached a peak of 245,897 MT in 1996-97 has come down to a level of 102, 629 MT in the first six months of 1997-98 resulting in a fall of 16.5% in production on pro rata basis.

(b) Capacity Utilisation : Keeping with the production, capacity utilisation also reached a peak of 80.35% in 1996-97 which has come down to 66.64% during the first six months of 1997-98 resulting in a loss of 13.71 percentage points of capacity utilisation.

(c) Sales: The four applicant companies have registered loss of domestic sales which has fallen down from 187250 MT in 1996-97 to 80212 MT in the first six months of 1997-98 which works out to 42.84% of 1996-97 sales i.e. a loss of 7.16 percentage points (on pro rata basis). The four applicant companies have been able to maintain this reduced share in domestic market only at a reduced average selling price which has fallen down from Rs. 28404 per MT to Rs. 26370 per MT in the corresponding period.

(d) Loss of Profit: The four applicant companies in 1997-98 (April-September) produced Carbon Black at a cost of production of Rs. 24460 per MT, sold with an average sales realization of Rs. 26370 per MT as against a cost of production of Rs. 22458 per MT, sold with an average sales realization of Rs. 28404 per MT in 1996-97. The four applicant companies have thus registered a reduction in profits.

(e) Surplus Capacities: The four applicant companies have alleged availability of Surplus Capacities of Carbon Black in Asia-Pacific region as compared to the demand.

The table below shows capacity, capacity utilisation, production, sales, and average selling price of the domestic industry for 1994-95 to 1997-98 (April to September)

Year	Installed capacity	Capacity utilisation(%)	Production	Sales of applicants	Average selling price of applicants
1994-95	280834	64.12	180093	165254	19945
1995-96	280834	80.34	225644	170847	25957
1996-97	306000	80.35	245897	187250	28404
1997-98 (Apr.-Sept.)	154000	66.64	102629	80212	26370

6. The domestic producers have requested for imposition of Safeguard Duty on imports of 'Carbon Black for rubber industry' for a period of 4 years. They have also requested for an immediate imposition on provisional Safeguard Duty.

7. The application has been examined and it is found that prima facie increased imports of Carbon Black have threatened to cause serious injury to the domestic producers of Carbon Black and accordingly it has been decided to initiate an investigation through this notice.

8. All interested parties may make their views known by 23rd March, 1998 to :

The Director General (Safeguards)
5th floor, D-Block,
Indraprastha Bhawan, I.P. Estate,
New Delhi-110 002
INDIA.

9. All known interested parties are also being addressed separately.

10. Any other party to the investigation who wishes to be considered as an interested party may submit its request so as to reach the Director General (Safeguards) within 21 days from the date of this notice.

[No. SG/INV/3/97]
R.K. GUPTA, Director General (Safeguards)

341/41/98-2

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054 — 1998